

परमेश्वरन दुनिया बणायी



Tehriyali

परमेश्वरन दुनिया बणायी

Tehriyali
Tehari, Uttarakhand, India

For permission to reuse, contact the copyright holder.

written by Gaurav kumar
Translate by karan Shriwan
prepared by CBL team

दुई बात

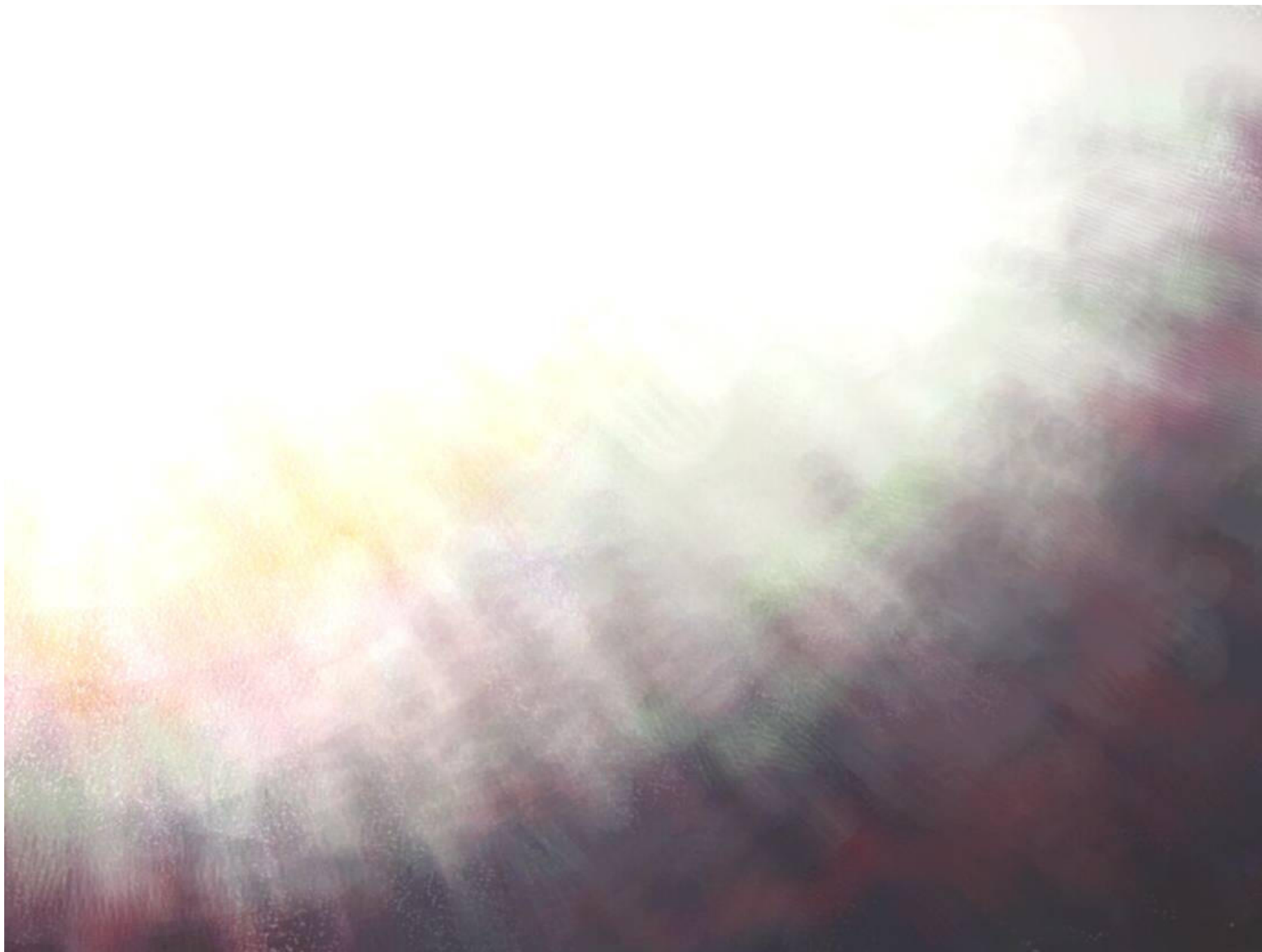
य किताब टिहरीयाली भाषा मा बाणायी गै। यीं किताब मा एक कथा छ जैसणि 8-10 पेजों मा बाणय गै अर हर पेज मा लगभग 5-6 शब्द कु एक वाक्य छ। यीं किताब मा हर एक वाक्या का हिसाव सी फोटो भी लगाई छ।

यों फोटो क हिसाव सी पळ्ण वाळु कथा बथै कसदू अर पळ्ण वाळु कथा सुणी सकदू छ। यी किताब कू उपयोग साक्षरता कामकाज मा करि जंदू। या किताब बढी आसानी अर भौत ही कम सब्दो मा अर भौत सरल रीति सी बणयीं छ। ताकी जु लोग पळ्ण की सुरुवात स्तर मा छ सी आसानी सी कथा सणि अपड़ी मातृ-भाषा मा पढिक आसानी सी समझी सकु अर अपड़ी मातृ-भाषा मा पळ्ण अर लिखणो कु प्रयास करी सकु।

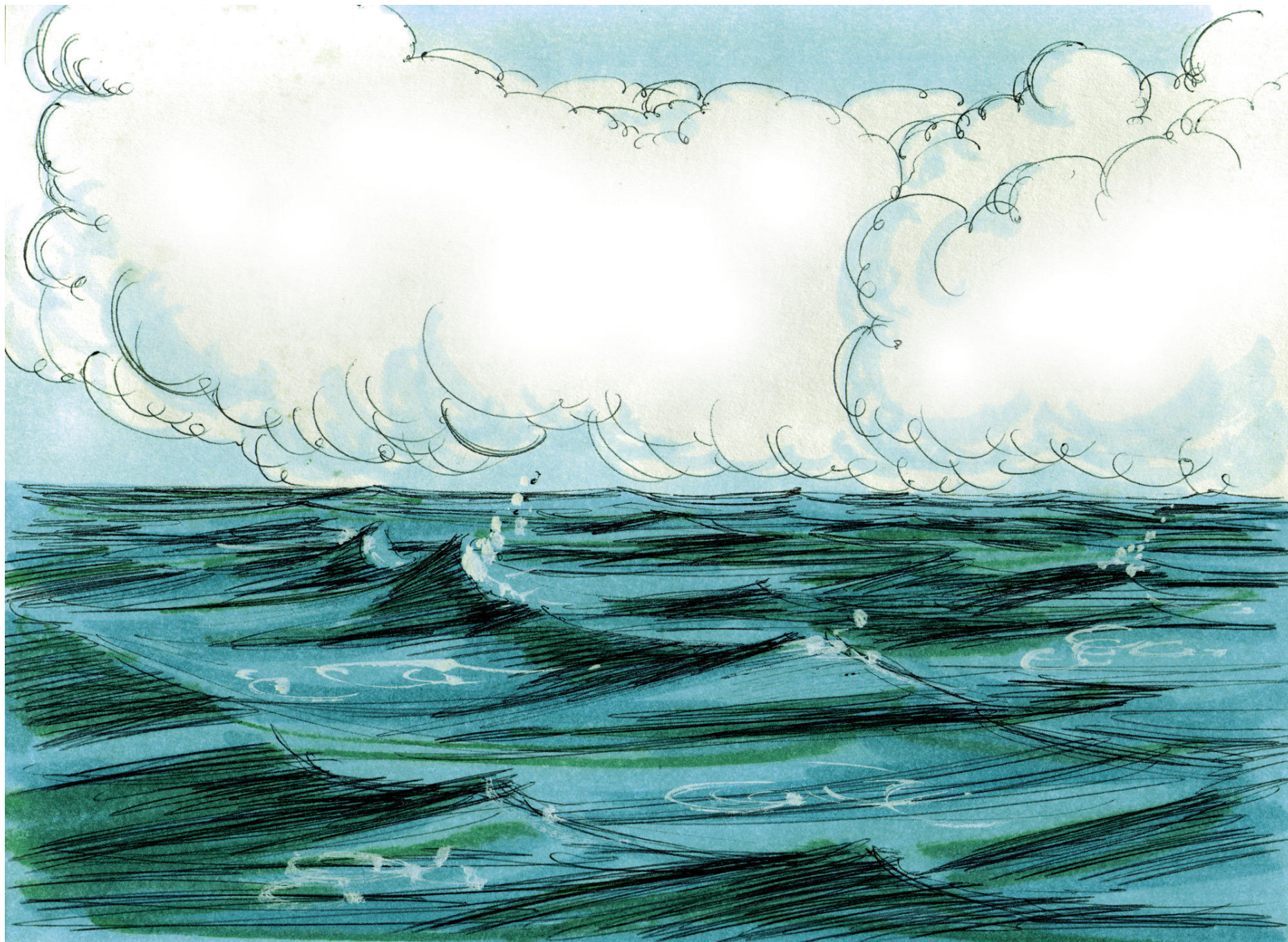
!!धन्यवाद!!



सबसि पैलि परमेश्वरन
धरती द्योरू बणायी ।



पैला दिन परमेश्वरन
उजाळु बणायी ।



दुसरा दिन परमेश्वरन
बद्दळ बणायी ।



तिसरां दिन परमेश्वरन
डाळा बुर्दा बणायी ।



चौथा दिन परमेश्वरन
चाँद सुरज बणायी ।



पाँचा दिन परमेश्वरन
जीव-जन्तु बणायी ।



छयां दिन परमेश्वरन
मनखि बणायी ।



सातवां दिन परमेश्वरन
आराम करी।



ਏ ਡੰਗ ਸਿ ਪਰਮੇਸ਼੍ਵਰਨ
ਪੂਰੀ ਫੁਨਿਯਾਂ ਬਣਾਯੀ ।

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग-अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृ भाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृ भाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृ भाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृ भाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृ भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

